2084. राजस्थान में टायर एवं ट्यूब बनाने का सबसे बड़ा कारखाना स्थापित है–

(a) केलवा (b) कांकरोली
(c) करौली (d) कोटपुतली

उत्तर - (b)

RPSC RAS/RTS 1997-98

व्याख्या—कांकरोली राजस्थान के राजसमंद जिले में स्थित एक शहर है जहाँ पर प्रसिद्ध जे.के. टायर फैक्ट्री अवस्थित है। यहाँ पर प्रसिद्ध द्वारकाधीश जी का मंदिर है तथा यहीं पर राजसमंद झील भी अवस्थित है।

2085. राजस्थान भारत में औद्योगिक क्षेत्र में पंजीकृत कारखानों की दृष्टि से अपना स्थान रखता है–

(a) 13वां (b) 15वां
(c) 16वां (d) 17वां

उत्तर - (a)

RPSC RAS/RTS 1999-2000

व्याख्या—विपरीत प्राकृतिक स्थितियों के बावजूद राजस्थान देश का सबसे तेज उभरता हुआ औद्योगिक प्रदेश है। राजस्थान देश में पंजीकृत कुल कारखानों की दृष्टि से तेरहवां बड़ा राज्य है। वर्तमान में राजस्थान में पंजीकृत कारखानों की संख्या 14000 से अधिक है।

2086. पावरलूम उद्योग के प्रथम कम्प्यूटर एडेड डिजाइन सेट स्थापित किया गया है–

(a) पाली में (b) भीलवाड़ा में
(c) जोधपुर में (d) बालोतरा में

उत्तर - (b)

RPSC RAS/RTS 1999-2000
RPSC RAS- 1996

व्याख्या—राजस्थान राज्य का प्रथम कम्प्यूटर एडेड डिजाइन सेट भीलवाड़ा में स्थापित किया गया है। भीलवाड़ा में ही 1938 ई. में 'मेवाड़ टेक्टाइल्स मिल्स' की स्थापना हुई थी। पाली में 1942 ई. में महाराजा उम्मेद सिंह मिल्स लिमिटेड स्थापित की गई। जोधपुर में डर्बी टेक्सटाइल्स नामक सूती कपड़े की मिल स्थापित है।

2087. 1978 में 'राजकोन' की स्थापना का उद्देश्य उपलब्ध कराना है-

(a) लघु उद्यमियों को विपणन प्रबंधकीय एवं तकनीकी मदद
(b) भारी निर्माण कार्यों के लिए सरकारी मदद
(c) कपड़ा मिलों को कच्चा माल
(d) सरकारी प्रतिष्ठानों को कानूनी मदद

उत्तर : (a)

RPSC RAS/RTS 1999-2000

व्याख्या : इस संस्था के तहत राज्य के लघु उद्यमियों को विपणन, प्रबंधन एवं तकनीकी सहायता प्रदान की जाती है। जिससे लोग स्वरोजगार हेतु प्रेरित हो सकें।

2088. राजस्थान में शक्कर उद्योग केंद्रों का सही समुच्चय है-

(a) कोटा-टौंक-भीलवाड़ा
(b) उदयपुर-टौंक-भीलवाड़ा
(c) केशोराय पाटन-श्री गंगानगर-बीकानेर
(d) श्रीगंगानगर-भोपालसागर-केशोरायपाटन

उत्तर : (d)

व्याख्या-राजस्थान में शक्कर उद्योग केंद्रों का सही समुच्चय श्रीगंगा-नगर भोपालसागर व केशोरायपाटन है। 'केशोरायपाटन शुगर मिल्स' राजस्थान राज्य की एकमात्र सहकारी क्षेत्र की मिल है, जो बूंदी जिले में अवस्थित है। बूंदी जिला गन्ने के उत्पादन में राजस्थान में प्रथम स्थान है जबकि द्वितीय स्थान पर उदयपुर जिला है।

2089. राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं विनियोजन निगम जिसकी स्थापना कम्पनी अधिनियम 1956 के अन्तर्गत 1969 में की गई, मदद करता है–

(a) औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना करने में
(b) सामाजिक आधारभूत सुविधाएं देने में
(c) परियोजना रिपोर्ट, परियोजना प्रोफाईल एवं प्रबंधकीय सेवाएं प्रदान करने में
(d) उपरोक्त सभी में

उत्तर–(d)

RPSC RAS/RTS 2006-07

व्याख्या—राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं विनियोजन निगम (RIICO) की स्थापना 28 मार्च 1969 को कम्पनी अधिनियम 1956 के अंतर्गत की गई। रीको उद्योगों के विकास में निम्नलिखित मदद करता है–(i) नवीन औद्योगिक क्षेत्रों एवं बस्तियों की स्थापना करना (ii) उद्यमियों को आधारभूत सुविधाएँ व रियायतें देना (iii) औद्योगिक उपक्रमों की परियोजनाओं के प्रतिवेदन (रिपोर्ट) परियोजना प्रोफाइल, प्रबंधकीय सेवाएँ एवं तकनीकी मार्गदर्शन करना।

2090. राजथान में लेटा, मांगरोल एवं सालावास जाने जाते हैं–

(a) कपड़े की मदों की बुनाई के लिए
(b) कपड़े की मदों की छपाई के लिए
(c) महिलाओं के लिए चमड़े की जूती निर्माण के लिए
(d) लकड़ी के खिलौने निर्माण के लिए

उत्तर–(a)

RPSC RAS/RTS 2006-07

व्याख्या—राजस्थान में लेटा, मांगरोल एवं सालावास कपड़ो के मदों की बुनाई के लिए जाने जाते हैं।

2091. अजरख प्रिन्ट का सम्बन्ध है–

(a) बालोतरा (b) पाली
(c) बगरू (d) बाड़मेर

उत्तर–(4)

RPSC RAS/RTS 2006-07

व्याख्या—रंगाई के कार्य को प्रायः पुरुष तथा बंधाई के कार्य को स्त्रियां करती है इस उद्योग में अजरख प्रिन्ट (बाड़मेर) जाजम छपाई (चित्तौड़गढ़) सांगानेर की छपाई (जयपुर) में बहुत प्रसिद्ध है।

2092. डेयरी एवं खाद्य विज्ञान प्रौद्योगिकी महाविद्यालय-राजस्थान का एक मात्र महाविद्यालय-स्थित हैं–

(a) जोधपुर में (b) जयपुर में
(c) कोटा में (d) उदयपुर में

उत्तर–(d)

RPSC RAS/RTS 2006-07

व्याख्या— डेयरी एवं खाद्य विज्ञान प्रौद्योगिकी महाविद्यालय-राजस्थान का एक मात्र महाविद्यालय उदयपुर में स्थित हैं।